पाठ्यक्रम

समाजशास्त्र पेपर - 1

इकाई I: मूल अवधारणाएँ

- समाजशास्त्र का अर्थ, परिभाषा, विषय-वस्तु, दायरा, प्रकृति और परिप्रेक्ष्य, समाजशास्त्र और ज्ञानोदय।
- समाज, संस्कृति, समुदाय, मानदंड और मूल्य, संस्थाएँ, संघ और सामाजिक संरचना, सामाजिक व्यवस्था। सामाजिक समूह: अर्थ, प्रकार, स्थिति और भूमिका, मानदंड और मूल्य और सदस्यता के प्रकार।
- सामाजिक नियंत्रण: अर्थ, प्रकार, एजेंसियाँ और सिद्धांत।
- समाजीकरण: अर्थ, चरण और सिद्धांत, समाजीकरण की उप-अवधारणाएँ।
- स्थिति और भूमिका, अर्थ, प्रकार, स्थिति और भूमिका के बीच परस्पर क्रिया, भूमिका संघर्ष, मानदंड और मूल्य।
- सामाजिक स्तरीकरण: अर्थ, रूप और सिद्धांत, असमानताओं का पैटर्न।
- सामाजिक प्रक्रियाएँ- आत्मसात, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष और सहयोग, समायोजन, सहयोगी और विघटनकारी प्रक्रिया।
- सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता- अर्थ, पैटर्न, कारक और सिद्धांत।
- सामाजिक विचलन: अर्थ, प्रकार और सिद्धांत।
- सामाजिक संपर्क: अर्थ और प्रकार।

इकाई II: पश्चिमी समाजशास्त्रीय विचारक/विचार-

- ऑगस्ट कॉम्टे: समाजशास्त्रीय पद्धतियों और समाजशास्त्र पर कॉम्टे के विचार। तीन चरणों का नियम, विज्ञान का पदानुक्रम। विज्ञान पर कॉम्टे के विचार। मानवता का धर्म।
- हेबर्ट स्पेंसर: सामाजिक व्यवस्था या समाज का वर्गीकरण। सामाजिक विकास के चरण। सामाजिक संस्थाएँ। जैविक और अति-जैविक सादृश्य। समाजशास्त्र के सिद्धांत।
- एमिल दुर्खीम: समाज में श्रम का विभाजन। सामाजिक तथ्य और समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम। आत्महत्या और उसके प्रकार। धार्मिक जीवन के प्राथमिक रूप। शिक्षा पर दुर्खीम।
- मैक्स वेबर: वेबर की कार्यप्रणाली। धर्मों का अध्ययन। सामाजिक स्तरीकरण और अधिकार के प्रकार। नौकरशाही। सामाजिक क्रिया।
- कार्ल मार्क्स: समाज के प्रकार। द्वंद्वात्मक भौतिकवाद। वर्ग संरचनाएँ। वर्ग संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन। पूंजी, मूल्य और अधिशेष मूल्य का श्रम सिद्धांत।
- जॉर्ज सिमेल: समाजशास्त्र के समस्या क्षेत्र। समूह संबद्धता। सामाजिक भेदभाव। सामाजिक रूप के रूप में संघर्ष। सामाजिक रूप के रूप में आदान-प्रदान।
- विल्फ्रेडो पारेतो: अभिजात वर्ग का उत्थान और पतन। भावनाओं का सिद्धांत। सामान्य समाजशास्त्र पर पारेतो के विचार। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक घटनाओं के बीच का अंतरफलक। सामाजिक व्यवस्था।

इकाई III: भारतीय सामाजिक व्यवस्था: संरचना और परिवर्तन

- भारतीय समाज की विशेषताएँ, एकता, बहुलता और विविधता।
- प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था: वर्णाश्रम व्यवस्था और पुरुषार्थ, संस्कार, कर्म और शिक्षा।
- भारतीय सामाजिक संस्थाएँ: परिवार, विवाह और नातेदारी, शिक्षा, धर्म, जाति, अर्थव्यवस्था और राजनीति।
- भारत में वर्ग संरचना: कृषि, औद्योगिक।
- भारतीय समाज में जाति और वर्ग में गतिशीलता: गतिशीलता और असमानता का स्वरूप।
- लैंगिक संबंध और महिला सशक्तिकरण: भारत में महिलाओं की स्थिति और महिला सशक्तिकरण; महिलाओं के लिए सामाजिक कानून, घरेलू हिंसा, दहेज और तलाक के मुद्दे, महिलाओं के खिलाफ अपराध।
- विचलन और अपराध: किशोर अपराध, साइबर अपराध, बच्चों के खिलाफ अपराध, सफेदपोश अपराध।
- भारतीय समाज के समक्ष चुनौतियाँ: गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता, जातिवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, सामाजिक-सांस्कृतिक बहिष्कार।
- विकास की विकृतियाँ: कमज़ोर वर्गों और अल्पसंख्यकों की समस्याएँ, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों, हाशिए पर पड़े समूहों और बच्चों की समस्याएँ।
- भारत में नियोजित परिवर्तन- भारतीय समाज, पंचवर्षीय योजनाएँ, पंचायती राज, कल्याणकारी नीतियाँ और सतत विकास।
- वैश्वीकरण और भारतीय समाज पर इसका प्रभाव।